सीएसआईआर-सीरी में पद्मभूषण डॉ. अमरजीत सिंह की कांस्य प्रतिमा का अनावरण

प्रसिद्ध मूर्तिकार मातुराम वर्मा द्वारा तैयार की गई है मूर्ति

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी) में दिनांक 19 नवंबर, 2024 को पद्मभूषण डॉ. अमरजीत सिंह की 100वीं जयंती के अवसर पर उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। प्रतिमा की स्थापना संस्थान परिसर के नेहरू उद्यान में की गई है। यह कार्यक्रम वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज पर दिनांक 18-20 नवंबर, 2024 के दौरान संस्थान में आयोजित किए गए तीन-दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 'वेदा-2024' के साथ आयोजित किया गया। यह सम्मेलन स्व. डॉ. अमरजीत सिंह के निर्वात प्रौद्योगिकी में अद्वितीय योगदान को समर्पित करते हुए इस वर्ष सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में आयोजित किया गया था। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया सहित पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर; स्व. डॉ अमरजीत सिंह के परिजन; वेदा-2024 के मुख्य अतिथि डॉ हनुमंत राव, महानिदेशक, समीर; डॉ ललित कुमार, पूर्व निदेशक, डीआरडीओ-एमटीआरडीसी; संस्थान के वैज्ञानिक एवं अन्य कार्मिक; मूर्तिकार श्री मातुराम वर्मा, पिलानी के गणमान्य जन एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए स्व. डॉ अमरजीत सिंह जी के पुत्र श्री अरविद सिंह

डॉ. सिंह के सबसे छोटे पुत्र, अरविद सिंह ने परिवार की ओर से विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतिमा केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उन अनगिनत जीवनों की याद दिलाती है जिन्हें हमारे पिताजी ने प्रेरित किया, और जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने "पद्मभूषण डॉ. अमरजीत सिंह यंग साइंटिस्ट अवार्ड" की स्थापना की घोषणा की, जो हर वर्ष वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज में उभरती प्रतिभाओं को सम्मानित करेगा और डॉ. सिंह की विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएगा।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं सहकर्मीवृंद

श्रीमती सुरिदर कौर दीवान (पत्नी डॉ अमरजीत सिंह) के साथ प्रो. चंद्रशेखर (दाएं), डॉ पी सी पंचारिया एवं श्रीमती सीमा पंचारिया

इस अवसर पर अपने भावपूर्ण संबोधन में सीरी के निदेशक, **डॉ. पी सी पंचारिया** ने स्व. डॉ. अमरजीत सिंह के संस्थागत योगदानों को याद करते हुए उन्हें अपनी और संस्थान के सभी सहकर्मियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित

की। साथ ही, परिवार को इस कार्यक्रम को मूर्तरूप देने में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। संस्थान के पूर्व निदेशक एवं वर्तमान में बिट्स-पिलानी में वरिष्ठ इमेरिटस प्रोफेसर **प्रोफेसर चंद्रशेखर** ने डॉ. सिंह को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनसे जुड़े संस्मरण साझा किए और सीरी संस्थान सहित पिलानी के विकास के लिए किए गए प्रमुख कार्यों पर प्रकाश डाला।

पद्म भूषण स्व. डॉ अमरजीत सिंह जी के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित उनके परिजन

इस भावपूर्ण समारोह में स्वर्गीय डॉ. सिंह के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए, जिनमें उनकी 92 वर्षीय पत्नी, श्रीमती सुरिदर कौर दीवान सहित उनके तीनों पुत्र व उनकी पत्नियां उपस्थित थीं। कार्यक्रम में सीरी लेडीज क्लब की प्रतिभाशाली कलाकारों द्वारा स्वर्गीय डॉ. अमरजीत सिह के प्रिय भजनों को प्रस्तुत करते हुए भावनात्मक एवं आध्यात्मिक वातावरण बनाया।

कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करती हुईं सीरी महिला क्लब की सदस्य

उल्लेखनीय है कि डॉ. अमरजीत सिंह, सीएसआईआर-सीरी के संस्थापक वैज्ञानिकों में से एक तथा संस्थान के प्रथम निदेशक थे। वे वर्ष 1963 से 1984 तक संस्थान के निदेशक रहे। डॉ सिंह ने वैक्यूम इलेक्ट्रॉन डिवाइसेज अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ सिंह की वैज्ञानिक उपलब्धियों के साथ-साथ, उनके संवेदनशील और प्रेरणादायक नेतृत्व को भी याद किया गया, जिन्होंने सीरी को एक परिवार की तरह पोषित किया और वे संस्थान के कार्मिकों एवं उनके परिवारों से भी भावनात्मक रूप से जुड़े रहे।

पद्म भूषण डॉ अमरजीत सिंह की कांस्य प्रतिमा का निर्माण सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री मातुराम वर्मा द्वारा किया गया है। कार्यक्रम के दौरान कांस्य प्रतिमा स्थापना/अनावरण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मूर्तिकार श्री मातुराम वर्मा, डॉ मनीष मथ्यु, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक और संस्थान में सिविल अनुभाग के प्रभारी अशोक नायक, वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता को भी सम्मानित किया गया।

राजस्थान पत्रिका

झुंझुनू पत्रिका

सीरी में पद्मभूषण डॉ. अमरजीत सिंह की कांस्य प्रतिमा का अनावरण